बृहस्पतिवार
23 जून 2022

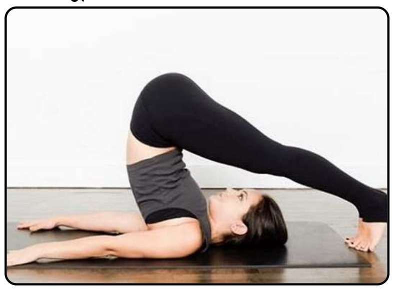

पृष्ठ 4
रोज करना चाहिए हलासन, होते हैं चौंकाने वाले फायदे

पृष्ठ 5
ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण ने फाइटर के लिए कसी कमर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 140
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

– गौतम बुद्ध

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आईएएस रामविलास फंसे कानून के शिकंजे में, हुए गिरफ्तार

विशेष संवाददाता

देहरादून। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आरोपी आईएएस अधिकारी रामविलास यादव को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आज विजिलेंस के डायरेक्टर अमित सिन्हा ने एक पत्रकार वार्ता में रामविलास यादव की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया गया कि कल रामविलास यादव से 13 घंटे तक पूछताछ की गई उन्होंने कहा कि यादव जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। वह अपने साथ जो दस्तावेज लेकर आए थे उनमें से कई के बारे में वह कोई जानकारी नहीं दे सके और अधिकांश सवालों को टालने की कोशिश करते रहे।

विजिलेंस डायरेक्टर अमित सिन्हा ने बताया कि जब उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला संज्ञान में आया था तो उन्होंने अप्रैल में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की अनुमति मांगी गई थी जो उन्हें मिल गई और मई

❑आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का है मामला

में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होने बताया कि प्रारंभिक तौर में उनके पास आय से 522 फीसदी अधिक संपत्ति होने का अनुमान लगाया गया था लेकिन जब उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई तो हमें उनके सरकारी आवास में कई दस्तावेज और सबूत मिले जिनके आधार पर यह कहा जा सकता है कि उनके पास अनुमान से कहीं अधिक संपत्ति हो सकती है। उन्होंने बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद रामविलास यादव विजिलेंस के सामने तो आए लेकिन जांच में सहयोग नहीं किया। अपनी पत्नी के नाम संपत्ति होने या अधिक जानकारी उनके पास न होने की बात कहकर वह सवालों को टालते रहे।

यह पहला अवसर है जब राज्य गठन के बाद पहली बार किसी आईएएस अधिकारी की गिरफ्तारी भ्रष्टाचार के मामले में हुई है। उल्लेखनीय है कि अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद रामविलास यादव लंबी छुट्टी लेकर चले गए थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी पर रोक के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार करते हुए विजिलेंस के सामने अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए थे। जिसके तहत वह कल विजिलेंस के दफ्तर पहुंचे थे। बीते कल ही उत्तराखंड शासन द्वारा उन्हें निलंबित कर दिया गया था। जिन्हे देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है।

राज्य में अभी और भी कई रामविलासः जोशी

❑भ्रष्ट अधिकारियों से जुड़े मंत्रियों पर भी की जाए कार्यवाहीः कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। आईएएस अधिकारी रामविलास यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में हो रही कानूनी कार्रवाई को लेकर भाजपा के नेताओं द्वारा इसे भाजपा की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की पालसी बताते हुए अपनी पीठ थपथपाई जा रही है वहीं विपक्षी दल कांग्रेस के नेता भी उनके बयानों पर तीखी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

धामी सरकार में काबीना मंत्री गणेश जोशी ने आज रामविलास यादव के निलंबन और गिरफ्तारी को सही बताते हुए कहा कि अभी राज्य में और भी कई रामविलास है। जिन पर कार्रवाई की जा सकती है। उधर भाजपा प्रवक्ता विनय गोयल का कहना है कि भाजपा सरकार में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा पहले से ही भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी बड़े पद पर तैनात हो अगर भ्रष्टाचार करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी ने रामविलास के जरिए अपना इरादा साफ कर दिया है।

भाजपा नेताओं की इस तरह की प्रतिक्रियाओं पर कांग्रेस नेताओं ने तीखा पलटवार किया है कांग्रेस नेता मथुरा दत्त जोशी का कहना है कि गणेश जोशी और उनकी सरकार को अगर और भी रामविलास होने की जानकारी है तो उनके नाम उजागर करें और उनके खिलाफ भी कार्रवाई करें उनका कहना है कि भाजपा की 6 सालों से राज्य में सरकार है जो अन्य रामविलास हैं और उनके साथ जुड़े रहे मंत्री हैं उनकी परिसंपत्तियों की जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि भ्रष्टाचारियों के साथ जुड़े रहे नेताओं व मंत्रियों पर भी ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

'शादी से पहले सेक्स करने से इंकार करना सच्चे प्यार की निशानी'

वैटिकन सिटी। ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस लगातार अपने बयानों के कारण सुर्खियों में रहते हैं। ८५ वर्षीय पोप फ्रांसिस ने एक बार फिर से ऐसा बयान दिया है जो तेजी से वायरल हो रहा है। पोप फ्रांसिस ने कहा है कि शादी से पहले सेक्स करने से इंकार करना सच्चे प्यार की निशानी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शुद्धता, पवित्र प्रेम करना सिखाती है। उन्होंने कहा कि शादी तक सेक्स करने से इंकार करना इस पवित्र रिश्ते को सुरक्षित रखने का एक आदर्श तरीका है। पोप फ्रांसिस ने

यह भी दावा किया कि आजकल के रिश्ते सेक्स तनाव या दवाब के कारण जल्दी टूटते हैं। बहुत सारे लोगों को पोप का बयान पसंद नहीं आया तो वहीं कई लोगों ने इसका समर्थन किया है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ६७ पेज की नई वैटिकन गाइड में पोप ने खुशहाल संबंधों के नियम बताए। ६७ पन्नों के वैटिकन गाइड डॉक्यूमेंट में इंटरनेट के अधिक इस्तेमाल की आलोचना की गई है। इटली के धर्मशास्त्री वीटो मैनकुसो के मुताबिक पोप की टिप्पणी ने रिश्ते में सेक्स का महत्व कम कर दिया है।

देश में फिर बढ़े आज कोरोना के मामले, बीते 24 घंटे में आए कोरोना वायरस के 13313 नए मामले

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों में उछाल देखने को मिला है। पिछले २४ घंटे में कोविड–१९ के १३ हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार को साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक भारत में आज बीते २४ घंटों में कोरोना वायरस के १३, ३१३ नए केस सामने आए हैं। वहीं बीते २४ घंटों में ३८ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई है। देश में पिछले २४ घंटों में कुल १०,९७२ डिस्चार्ज हुए हैं। देश में कोरोना रिकवरी रेट ९८.६० प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड–१९ के कुल एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर ८३,९९० हो गए हैं।

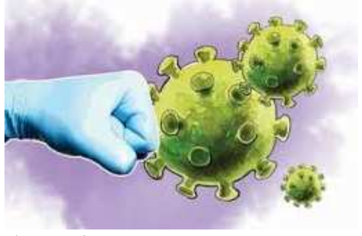

देश में कोरोना से अब तक मरने वालों की कुल संख्या ५,२४,९४१ हो गई है। भारत में कोरोना महामारी के कारण पहली मौत मार्च २०२० में हुई थी। देश में कोरोना से कुल हुई रिकवरी की संख्या ४,२७,३६,०२७ है। २३ जून को दैनिक सकारात्मकता दर २.०३ प्रतिशत दर्ज की गई है।

देश में कोरोना वैक्सीनेशन आंकड़ा १,९६,६२,११, ९७३ है। देश में बीते २४ घंटों के अंदर १४ लाख ९१ हजार ९४१ केस हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार कोरोना के लिए २२ जून तक ८५,६४,६३,३८७ नमूनों का परीक्षण किया गया है। इनमें से ६,५६,४१० नमूनों की जांच बुधवार को की गई है।

इस बीच केरल में ताजा कोविड–१९ मामलों में बुधवार को राज्य में ३,८९० संक्रमणों की रिपोर्ट के साथ मामूली गिरावट देखी गई है, केरल में कोरोना के कुल मामले ६६,१२,६०७ हो गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक बीते २४ घंटों में कोवड–१९ से ३,१७२ लोगों को बीमारी से उबरते हुए देखा गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अव्यवस्थाओं पर सरकार से सवाल

चारधाम यात्रा का प्रदेश वासियों और राज्य सरकार के लिए क्या महत्व है यह बताए जाने की जरूरत नहीं है। दो साल कोरोना काल में यात्रा बंद रहने के कारण लोगों को कितना संकट झेलना पड़ा यह सभी जानते हैं। लाखों लोगों की आजीविका चारधाम यात्रा पर निर्भर है। लेकिन इस बार चारधाम यात्रा पर जिस तरह अव्यवस्थाएं हावी रही हैं वह भी किसी से छिपा नहीं है। इस अव्यवस्था के कारण न सिर्फ सैकड़ों यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है बल्कि बड़ी संख्या में घोड़े खच्चरों की जान भी गई है। सरकार इस बात को लेकर खुश है कि इस बार रिकॉर्ड श्रद्धालू चार धाम यात्रा पर आ रहे हैं। सिर्फ डेढ़ माह में 16 लाख श्रद्धालुओं का आना, बड़ी उपलब्धि बताया जा रहा है एक यात्रा सीजन में अब तक 22 लाख से अधिक लोग कभी चारधाम यात्रा पर नहीं आए हैं यात्रा सीजन में अभी 4 माह शेष हैं इन 4 माह में अगर उतने भी श्रद्धालु यात्रा पर आए जितने डेढ़ माह में आ चुके हैं तो यह संख्या 30 लाख से भी ऊपर जा सकती है जो पिछले सभी रिकॉर्डो से बहुत ऊपर होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस यात्रा को लेकर शासन-प्रशासन स्तर पर यात्रा प्रबंधन पर ध्यान क्यों नहीं दिया जा सका है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अब सरकार से पूछा है कि अब तक कोई एसओपी क्यों जारी नहीं की गई। सरकार ने जब सभी धामों में एक दिन में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या तय की गई थी तो फिर इसके अनुपालन की कोई व्यवस्था क्यों नहीं की गई? केदारधाम में 13 हजार यात्रियों के सापेक्ष हर रोज 18 से 20 हजार तक यात्री पहुंचे वहीं बद्रीनाथ धाम में भी 16 हजार से ज्यादा यात्री हर रोज पहुंचे। बाकी धामों में भी यही हालात रही। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा तय किए गए मानकों का क्या अर्थ रह जाता है। विडंबना देखिए कि इस अव्यवस्था का खामियाजा यात्रियों को भोगना पड़ा। जिन यात्रियों को बिना दर्शन आधे रास्ते से वापस लौटना पड़ा उन्हें तो परेशान होना ही पड़ा वही रजिस्ट्रेशन की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कई-कई दिन हरिद्वार और ऋषिकेश में रुकना पड़ा कई लोग तो हार थक कर बिना यात्रा पर गए ही वापस लौट गए। केदार धाम के पैदल मार्ग पर यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में घोड़े खच्चरों की मौत हो चुकी है। जनहित याचिका में 600 घोड़ों के मरने की बात कही गई है जबकि सरकारी आंकड़ों में 175 जानवरों की बात कही जा रही है। सवाल यह है कि जो बेजुबान जानवर अपने मालिक को मालामाल कर गए क्या उनकी जान की कोई कीमत नहीं थी। सच यह है कि सरकार ने भी इन घोड़े-खच्चरों से लाखों कमा लिए और उनके मालिकों ने भी कमा लिए लेकिन जान उनकी गई जो बेजुबान थे, बीमार थे और घायल थे। इनके इलाज और रखरखाव के लिए किसी ने भी कुछ नहीं किया? यात्रियों की संख्या सीमित न करने को लेकर आंदोलन तो सब कर सकते हैं लेकिन क्या सिर्फ अपनी निजी कमाई के बारे में ही सोचा जाना काफी है। सरकार को चाहिए कि वह चार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाए।

योजनाओं का पूरा दिया जाए लाभः डीएम

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को लेकर बैठक आयोजित की। जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र, मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना, आंचल अमृत योजना, नंदा गौरा योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा जिला योजना के साथ ही निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा की गई।

कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास को निर्देश दिए हैं कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए जो भी योजनाएं संचालित की जा रही हैं उन योजनाओं का लाभ उन्हें शीर्ष प्राथमिकता से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कोई भी शिथिलता और लापरवाही न बरती जाएं।

निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है ऐसे केंद्रों में निर्माण कार्य यथाशीघ्र शुरू किया जाए साथ ही संबंधित विकास खंड अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित कार्यवाही की जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों में महिलाओं को उपलब्ध कराए जा रहे टीएचआर का वितरण नियमानुसार किया जाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्र में टीएचआर वितरण की मॉनीटरिंग कराने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना को लकर महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही पोषण सामग्री को मानक के अनुसार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाए। जिलाधिकारी ने ऊखीमठ में अन्य सुपरवाइजर को तैनात किए जाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी शैली प्रजापति द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित हो रही योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। इस मौके पर एसडीएम सदर अपर्णा ढौंडियाल, जखोली परमानंद राम, ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा सहित सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर आदि मौजूद थे।

सैन्य सुधार में कारगर अग्निपथ?

अजीत द्विवेदी

सेना में जवानों की बहाली के लिए बनाई गई अग्निपथ योजना पर दो अतिरेक वाले विचार हैं। जैसा इस सरकार की हर योजना के मामले में होता है- एक पक्ष इसका खुल कर समर्थन कर रहा है तो दूसरा पक्ष इसे पूरी तरह से खारिज कर रहा है। कोई मिडिल ग्राउंड नहीं दिख रहा है। लेकिन इसका समर्थन करने या इसे खारिज करने से पहले इस बात की प्रतीक्षा की जानी चाहिए कि यह योजना किस तरह से लागू होती है, देश का नौजवान इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है, सेना में पहले बैच की बहाली के बाद क्या माहौल होता है, इससे देश की सामरिक स्थिति कैसे प्रभावित होती है और सबसे ऊपर यह कि इससे सेना का बजट कैसे प्रभावित होता है।

हालांकि इस योजना की घोषणा करते हुए एक सवाल के जवाब में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी सरकार सेना के मामले में पैसे का ध्यान नहीं रखती है। उनके कहने का मतलब यह था कि इस योजना का मकसद सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन में होने वाले खर्च को कम करना नहीं है। हालांकि इस योजना का सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन पर बड़ा असर होगा। सरकार को इस मद में बड़ी बचत होगी, जिसका इस्तेमाल सेना के आधुनिकीकरण में किया जा सकेगा। ध्यान रहे सेना के लिए आवंटित कुल बजट में आधे से ज्यादा हिस्सा सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन पर खर्च होता है। पिछले वित्त वर्ष के चार लाख 78 हजार करोड़ रुपए के रक्षा बजट में 2.55 लाख करोड़ रुपए वेतन, भत्ते और पेंशन के मद में खर्च हो गए, जबकि सैन्य तैयारियों और आधुनिकीकरण के लिए 2.38 लाख करोड़ रुपए बचे।

एक आकलन के मुताबिक अगर अग्निपथ योजना सही तरीके से लागू होती है और सेना में नियुक्ति का स्थायी तरीका बनती है तो एक सैनिक के पूरे कार्यकाल और उसके जीवन पर होने वाले सरकारी खर्च में साढ़े 11 करोड़ रुपए की बचत होगी। यह आकलन 17 साल तक सेवा की मौजूदा व्यवस्था बनाम चार साल की अग्निपथ योजना के आधार पर किया गया है। जाहिर है एक सैनिक पर साढ़े 11 करोड़ रुपए की बचत बहुत बड़ी है। ध्यान रहे भारत की तीनों सेनाओं को मिला कर 13 लाख सैनिक हैं। सो, भले सरकार और रक्षा मंत्री कुछ भी कहें लेकिन अग्निपथ योजना लागू होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि स्थापना पर खर्च होने वाली रकम में बड़ी कमी आएगी। इसका इस्तेमाल सेना के लिए आधुनिक तकनीक, हथियार, युद्धपोत, लड़ाकू विमान आदि खरीदने में होगा।

अग्निपथ योजना के तहत बहाली के लिए न्यूनतम उम्र सीमा साढ़े 17 साल तय की गई है। इसके बाद सैनिक का कार्यकाल चार साल का होगा, जिसमें छह महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। इस चार साल की अवधि में सैनिकों को 12 लाख रुपए के करीब वेतन के मद में मिलेंगे। इसमें से 30 फीसदी हिस्सा सेवा निधि में डाला जाएगा और उतने ही रुपए सरकार भी उस निधि में डालेगी। इससे चार साल बाद रिटायर होने पर हर जवान को करीब 12 लाख रुपए मिलेंगे। सोचें, जिस उम्र में आजकल युवाओं की पढ़ाई पूरी होती है और वे नौकरी की तलाश में निकलते हैं, उस उम्र में अगर वे सेना में चार साल प्रशिक्षण और सैन्य ड्यूटी निभा कर रिटायर हो रहे हैं और उनके हाथ में अच्छी खासी रकम होती है तो वह उनके लिए कितनी उपयोगी हो सकती है! उनके सामने पूरा जीवन होगा, जिसे वे अपनी पसंद से दिशा दे सकते हैं। चार साल की नौकरी के दौरान सरकार उनका 48 लाख रुपए का जीवन बीमा भी कराएगी और सेवा के दौरान शहीद होने पर 44 लाख रुपए की अनुग्रह राशि अलग से मिलेगी। सौ फीसदी विकलांगता के लिए भी 44 लाख रुपए की अनुग्रह राशि तय की गई है।

दूसरी ओर इस योजना से सेना में सैनिकों की औसत आयु मौजूदा 32 साल से घट कर अगले छह-सात साल में 26 साल तक आ जाएगी। यानी भारतीय सेना का स्वरूप पूरी तरह से बदल जाएगा। वह युवाओं की फौज होगी, जिसको आधुनिक प्रशिक्षण मिला होगा। वे आधुनिक तकनीक और हथियारों से लैस होंगे। ध्यान रहे दुनिया भर के देशों में इन दिनों सैन्य सुधार चल रहे हैं। सैन्य सुधार में मुख्य रूप से इस बात पर जोर है कि सैनिकों की संख्या कम की जाए और उसे आधुनिक तकनीक व हथियारों से लैस किया जाए। सबको पता है कि भविष्य की लड़ाई आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लड़ी जाएगी, साइबर स्पेस में लड़ी जाएगी, रोबोटिक सैनिकों और स्वचालित हथियारों से लड़ी जाएगी। निगरानी और पेट्रोलिंग का काम स्पेस बेस्ड इंटेलीजेंस सर्विलांस सिस्टम से किया जाएगा। इस हकीकत को समझते हुए चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी चीनी सेना ने सैनिकों की संख्या 45 लाख से घटा कर 20 लाख कर दी है और दूसरी ओर आधुनिक उपकरणों पर खर्च बढ़ा दिया है। दुनिया भर की बड़ी सैन्य ताकतें अपने यहां इस तरह के बदलाव कर रही हैं।

इस योजना के तहत हर बैच के 25 फीसदी सैनिकों को सेना में स्थायी जगह मिलेगी। इसका मतलब है कि चार साल के प्रशिक्षण और सैन्य सेवा में जो सबसे अच्छे होंगे उन्हें सेना में ही रखा जाएगा। इससे अंततः सेना की ताकत बढ़ेगी। इसलिए यह आलोचना बहुत दमदार नहीं है कि चार-चार साल की सेवा के लिए बहाली से सेना कमजोर होगी। अब रही बात इस योजना पर उठाए जा रहे सवालों की तो दो-तीन सवाल मुख्य हैं। जैसे पहला सवाल है कि चार साल की सेवा के बाद 22-23 साल के जो युवा बेरोजगार होंगे वे क्या करेंगे? वे कुछ भी कर सकते हैं। बेरोजगार होने से पहले उनके पास चार साल का अनुभव होगा, सेना का प्रशिक्षण होगा और एक निश्चित रकम भी हाथ में होगी। वे स्वरोजगार कर सकते हैं या आगे की पढ़ाई कर सकते हैं या दूसरी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। ध्यान रहे इन दिनों सुरक्षा का काम धीरे धीरे निजी हाथों में जा रहा है। वहां उनके लिए बेहतर अवसर होंगे। बिना सोचे-विचारे यह आलोचना की जा रही है कि सैन्य प्रशिक्षण के बाद क्या रिटायर युवा निजी मिलिशिया में जाएंगे। यह बेसिर-पैर की बात है। सेना का प्रशिक्षण और अनुशासन उन्हें बेहतर नागरिक बना सकता है।

इस योजना में 'ऑल इंडिया ऑल क्लास' की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। कुछ सैन्य अधिकारियों ने इसकी आलोचना की है। लेकिन वह भी बहुत मजबूत आलोचना नहीं है। भारत में रेजिमेंट आदि का गठन अंग्रेजों ने अपनी सुविधा के लिहाज से किया था, जिसे जारी रखा गया। इसका यह मतलब नहीं है कि कोई नई व्यवस्था कारगर नहीं होगी। ध्यान रहे राष्ट्रीय राइफल्स में पहले से 'ऑल इंडिया ऑल क्लास' का नियम लागू है और वहां यह व्यवस्था बहुत सही तरीके से काम कर रही है। इस योजना का विरोध करने वाले कुछ लोग सेवा अवधि को चार से बढ़ा कर सात साल करने की जरूरत बता रहे हैं। इसका मतलब है कि उन्हें बुनियादी सिद्धांत से दिक्कत नहीं है, सिर्फ सेवा अवधि से दिक्कत है। इसके बारे में आगे चल कर फैसला हो सकता है। अगर सरकार को लगता है कि चार साल की अवधि कम है तो वह उसे बढ़ा सकती है। इसमें ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। ध्यान रहे अमेरिका सहित दुनिया भर के देशों में इस तरह की योजना लागू है। सैनिक थोड़े समय के प्रशिक्षण के बाद सेना में काम करते हैं और रिटायर होकर दूसरी नौकरी करते हैं।

> कीरिश्चिद्धि त्वामवसे जुहावेशानमिन्द्र सौभगस्य भूरेः।
> अवो बभूथ शतमूते अस्मे अभिक्षत्तुस्त्वावतो वरूता।।
>
> (ऋग्वेद ७-२१-८)
>
> हे इंद्र ! हम उपासक, अपने रक्षण और समृद्धि के लिए, आपका आह्वान करते है। आप सैकड़ों रक्षण के साधनों के स्वामी हैं। आप हमारे संरक्षक बन जाओ। हमारे शत्रुओं के निवारण करने में आप हमारे सहायक हो।
>
> O Indra ! We, worshippers, call upon you for our protection and prosperity. You are the master of hundreds of means of protection. You become our protector. Not only that, but you help us in eliminating our enemies. (Rig Veda 7-21-8)

कार्ड धारकों को सस्ती दालें व अन्य सामान मुहैया कराने को मोर्चा ने दी शासन में दस्तक

नगर संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह ने राशन की दुकानों पर कार्ड धारकों को महंगे दामों पर मिलने वाली दाल का संज्ञान लेने, हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर सस्ती दरों पर दाल एवं अन्य सामान उपलब्ध कराने एवं गुणात्मक सुधार लाने को लेकर खाद्य सचिव सचिन कुर्वे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया है। कुर्वे ने इस मामले में मातहत अधिकारियों को विस्तृत प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए एवं सरकार के समक्ष रखने का आश्वासन दिया गया।

नेगी ने कहा कि सरकार प्रदेश के राशन कार्ड धारकों को जबरन प्रतिमाह 2 किलो दाल चना 57 रूपये प्रति किग्रा देकर मुफ्त में प्रदेश की जनता पर अहसान जता रही है, जबकि खुले बाजार में दाल चना का भाव सरकारी दर से कम है। नेगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे कम संसाधन वाले राज्य, प्रदेश के एनएफएसए कार्ड धारकों को 33 रूपये प्रति किग्रा एवं एपीएल को 43 रूपये प्रति किग्रा दाल चना वितरण कर रही है। हिमाचल सरकार कई अन्य वस्तुएं बहुत कम रियायती दरों पर कार्ड धारकों को मुहैया करा रही है, जोकि जनता को बहुत बड़ी राहत है। उन्होने कहा कि दोनों प्रदेश को-ऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन से ही दाल की आपूर्ति कराते हैं। नेगी ने कहा कि सरकार को थोड़ा-बहुत अनुसरण हिमाचल सरकार का करना ही चाहिए।

सौम्या का आवासीय एथलेटिक्स छात्रावास के लिए चयन

गंगोलीहाट (बेरीनाग) (कास)। रेनेसा नर्सरी एंड स्कूल की कक्षा ८ की बालिका सौम्या पाठक का चयन आवासीय एथलेटिक्स बालिका क्रीडा छात्रावास अगस्त्यमुनि रुद्रप्रयाग के लिए हुआ है। कुमारी सौम्या इससे पूर्व जिला स्तर पर पिथौरागढ़ में तथा राज्य स्तर पर रुद्रपुर में प्रतिभाग कर चुकी है। सौम्या के पिता त्रिलोचन पाठक गंगोलीहाट नगर में अपना व्यवसाय करते हैं तथा माता भावना पाठक प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका है। सौम्या की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्रबंधक भावना पंत प्रधानाचार्य त्रिभुवन रावल कमला धानिक गणेश भंडारी पवन पांडे दिनेश कुमार भावना पाठक तारा भंडारी ममता पाठक गीता उप्रेती चेतना पंत कविता पंत रितु कोहली दीपा जोशी कविता कार्की सिमरन उपरेती गिरीश उप्रेती पवन कुमार हरीश आदि ने शुभकामनाएं दी।

पुलिस ने की आम जन से नशा न करने की अपील, बांटे पम्पलेट

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। रानीखेत पुलिस ने लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से बचने के लिए नशा न करने की अपील करते हुए ड्रग्स जागरुकता सम्बन्धित पंपलेट बाटे व जगह-जगह इन्हे चिपकाकर आमजन को ड्रग्स के प्रति जागरुक किया गया।

एसएसपी अल्मोड़ा प्रदीप कुमार राय द्वारा दिये गये निर्देश पर रानीखेत पुलिस द्वारा रानीखेत कस्बे में अंतराष्ट्रीय ड्रग्स जागरूकता सप्ताह के चलते कस्बा रानीखेत में जगह-जगह जाकर जनता को नशा न करने के लिए प्रेरित कर नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। पुलिस द्वारा रानीखेत क्षेत्रान्तर्गत जगह-जगह 'ड्रग्स के प्रति जागरुकता सम्बन्धित पंपलेट बांटे व चिपकाये गये है। रोडवेज की बसों व कारों में भी नशा न करने के पंपलेट बाटे व चिपकाए गये व नशा न करने के लिए लोगों से अपील की गई है।

जिला योजना अंतर्गत प्रस्तावित योजनायें भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप बनायी जाएः जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता

बागेश्वर। वित्तीय वर्ष २०२२-२३ हेतु जिला योजना अंतर्गत प्रस्तावित परिव्यय के संबंध में विभागवार समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी विनीत कुमार ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विकास कार्यो को आगे बढाने में अपनी प्राथमिकता दें।

उन्होंने कहा कि जिला योजना अंतर्गत प्रस्तावित योजनायें भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप बनायी जाए, योजनाएं ऐसी हो जिससे रोजगार की संभावना हो और आउटपुट अच्छा मिलें। उन्होंने कहा कि जिला योजना में संरचना के कार्यो को विशेष महत्ता प्रदान करते हुए गहन परीक्षण एवं सावधानी के साथ तैयार कियें जाएं। जिलाधिकारी श्री कुमार ने कृषि, उद्यान, पशुपालन तथा मत्स्य आदि विभाग को इंटीग्रेटेड क्लस्टर एप्रोच पर कार्य करने को कहा। अवस्थापना से संबंधित विभागों को योजना प्रस्ताव तैयार करने में संकेताको के आधार पर क्षेत्रीय विषमताओं को ध्यान में रखकर करने को कहा, ताकि संतुलित विकास की अवधारणा को साकार किया जा सकें। जिलाधिकारी ने उद्यान विभाग को उद्यानीकरण को बढाने, क्लस्टर आधारित बागवानी को बढावा देने के साथ ही अखरोट, सेब, लीची, आडू इत्यादि के प्राईवेट नर्सरी विकसित करने हेतु योजना बनाने को कहा। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग को पोल्ट्री हब के क्षेत्र में कार्य करने हेतु ऐसे गांव का चयनित करने को कहा, जहां पर ५० फीसदी से अधिक लोग इस कार्य को करने के इच्छुक हो, तथा उन्होंने इनोवेटिव प्रोजेक्ट बनाने के भी निर्देश दियें।

मत्स्य विभाग को लोगो की आय बढाने के लिए अधिक से अधिक मछली तालाबों के निर्माण करते हुए क्लस्टर आधारित कार्यो को जोर देते हुए प्रस्ताव बनाने को कहा। पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए ट्रेक रूटों को विकसित करने, एडवेंचर स्पोर्ट्स, पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों को बढावा देने संबंधी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश जिला पर्यटन विकास अधिकारी को दियें। उन्होंने चिकित्सा विभाग को छोट-छोटे कार्यो की अपेक्षा बेसिक सुविधाओं से संबंधित कार्यो को प्राथमिकता देने को कहा।

जिलाधिकारी ने जल संस्थान को जल के कुशल प्रबंधन एवं मितव्ययी उपयोग के साथ-साथ जल स्रोतो के जल समेट क्षेत्र में संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यो को प्राथमिकता देते हुए योजना प्रस्तावित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि कार्यो के प्रस्ताव जहां आवश्यक हो, यथासंभव अन्तर्विभागीय समन्वय स्थापित कर समन्वित रूप से प्रस्तावित कियें जाएं, ताकि कार्यो में अधिव्याप्ति न हो। उन्होंने कहा कि जिला योजना अंतर्गत उन्हीं कार्यो के प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जाएं, जिससे अधिक से अधिक लोंगो को लाभान्वित किया जा सकें, एवं एक साल के भीतर पूर्ण भी हो सकें।

बैठक मे मुख्य विकास अधिकारी संजय सिंह, जिला विकास अधिकारी संगीता आर्या, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ० सुनीता टम्टा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी दिनेश रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी जीएस सौन, मुख्य कृषि अधिकारी एसएस वर्मा, जिला उद्यान अधिकरी आरके सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ० आर. चन्द्रा, जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति आर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अनुलेखा बिष्ट, मत्स्य अधिकारी मनोज मियाल, अधि०अभि०लोनिवि राजकुमार, संजय पांडे, जल संस्थान डीएस देवड़ी,पेयजल वीके रवि, सिंचाई योगेश काण्डपाल सहित अनेक अधिकारी मौजूद थे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने परशुराम चौक के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए।

पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से 130 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पवन पुत्र रामगोपाल निवासी झुग्गी झोपडी गोविन्द नगर व महेन्द्र सिंह पुत्र पदम सिंह निवासी ढालवाला मुनिकी रेती बताया।

दीपशिखा का चयन हुआ स्पोर्ट्स हास्टल अल्मोड़ा के लिए

बेरीनाग (कास)। हिमालया इंटर कालेज चौकोडी की कक्षा ६ की बालिका दीपशिखा कार्की का चयन स्पोर्ट्स हॉस्टल अल्मोडा के लिए हुआ है। इनका चयन बेडमिंटन खेल में हुआजिसमें चयन सूची कि मेरिट में भी १ रही। दीपशिखा पांखू निवासी है वह लम्बे समय बेडमिंटन में अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर रही थी। दीपशिखा के चयन पर प्रधानाचार्य दीपबाला बिष्ट,संरक्षक सीएस कार्की, प्रबंधक प्रकाश कार्की, उप प्रधानाचार्य भूपेंद्र पपोला, मंजू कार्की, भास्कर पंत, पुगराऊ घाटी खेल कूद प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष प्रवीण कार्की, वंशीधर जोशी खुशी जताई है।

युवती भगाने में एक नामजद

देहरादून (संवाददाता)। युवती को बहला फुसला कर ले जाने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर निवासी व्यक्ति ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी बाजार गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। आसपास के लोगों ने बताया कि उसकी बेटी को आखिरी बार पडोस में रहने वाले त्रिलोकी के पुत्र सुमित के साथ जाते हुए देखा था। उसने बताया कि सुमित उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

पूर्व सैनिक खीम सिंह की उम्र के शतक होने पर ग्रामीणों ने मनाया जश्न

कार्यालय संवाददाता

बेरीनाग। बेरीनाग विकास खंड बौगाड़ गांव निवासी पूर्व सुबेदार मेजर खीम सिंह कार्की ने अपने उम्र के १०० वर्ष पूरे करने पर गांव जन्मदिन को धूमधाम के साथ मनाया। खीम सिंह ने उम्र का शतक लगने पर उनके परिवार जनों और संगे सबंधियो ने जन्मदिन को धूम धाम से मनाने का निर्णय लिया। जन्म दिन को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिवारजनों ने खीम सिंह जन्मदिन पर टैंट, सामूहिक भोज, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, का आयोजन किया गया। जन्मदिन को नाते-रिश्तेदारों को भी निमंत्रण भी किया गया था। दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नातेदार और रिश्तेदार भी पहुंचे थे। इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। पत्नी चंद्रा कार्की ने भी पति खीम सिंह के जन्मदिन को लेकर काफी उत्साहित थी। धूमधाम तरीके से कैक

काटा। खीम सिंह ने बताया जिस तरह आज मेरा जन्मदिन मनाया गया ऐसा भी अपने १०० वर्षों में कभी नही देखा। जन्मदिन मनाने के बाद उनमें काफी उत्साह देखने को मिला।

खीम सिंह खीम सिंह कार्की ने तीन युद्ध १९४५,१९६५,१९७१ के तीनों युद्ध देश के लिए लड़े। श्री कार्की जी ने ३२साल तक ए एम सी में रहकर देश सेवा की।१९४४में ये ए एम सी में भर्ती हुए और १९७६ में सेवा निवृत हुए। सेना के साथ में सामाजिक जीवन में क्षेत्र और सामाजिक सेवा में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा। समस्त ग्रामीणों और सगे संबंधियों के द्वारा जन्मदिन के अवसर पर दीर्घायु होने की कामना और शुभकामनाएं दी गई।

खीम सिंह के दो बेटे है तेज सिंह कार्की और आंनद सिंह कार्की। कुलदीप कार्की पोता बीएसएफ में तैनात हैं दीपक कार्की, बिजेंद्र कार्की गोविन्द कार्की, महेश कार्की, दरवान कार्की, जगत कार्की, बिजेंद्र कार्कीभतीजे और लोकेश कार्की नाती है। खीम के जन्मदिन पर गांव में त्यौहार का जैसा माहौल था। ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिला।

सबका सार मार्केटिंग

हरिशंकर व्यास

मुझे विश्वास नहीं हुआ कि भागवत कथा की फीस पच्चीस-पचास हजार रुपए से लेकर लाख, पांच लाख, दस लाख तक। सुंदरकांड पाठ की मंडली भी दस-बीस हजार रुपए लेते हुए। भागवत कथा के ताम-झाम, भोजन आदि की व्यवस्थाएं किसी फिल्मी या संगीत कलाकार के शो से भी अधिक मंहगी हो सकती हैं बशर्ते पंडितजी का नाम मुंबई, दिल्ली या भक्त सेठों की नेटवर्किंग लिए हुए हो। कथा-सत्संग-संगत के हिंदू प्रायोजनों में पंजाबी डेरों जैसा मामला नहीं है, बल्कि व्यक्ति विशेष के निज ब्रांड से कथा वाचन का है।

समाज के सेठ, संगठन और लोग दिखावे की होड़ में हैं तो उसमें मार्केटिंग हर स्तर पर है। कोई माने या न माने लेकिन वक्त यह अनुभव कराता हुआ हे कि यथा राजा तथा प्रजा और यथा प्रजा तथा राजा की केमिस्ट्री में हिंदू समाज का दिखावा और प्रायोजन फैलते हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मार्केटिंग का जादू है जो आम हिंदू दिमाग भी हर क्षेत्र में अपने नेता के अंदाज में व्यवहार करता हुआ है। मेरा मानना है कि भारत की आम, मध्यवर्गी जनता की जरूरत के धर्म, चिकित्सा, शिक्षा और खानपान ऐसे चार क्षेत्र हैं, जो पिछले आठ वर्षों में लगातार फले-फूले हैं और इनका फूलना ज्ञान, क्वालिटी, अध्यात्म, सत्य सर्विस, सेवा से नहीं है, बल्कि वैसी ही मार्केटिंग, दिखावे, हल्ले, प्रोपेगेंडा और जैसे भी कमाई के प्राथमिक मिशन में है जिसके रोल मॉडल राजनीति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

आम हिंदू की राजनीति, धर्म, मेडिकल, शिक्षा और खानपान के पांचों धंधों में मार्केटिंग का आठ वर्षों में जैसा जो विस्तार हुआ है उसका सचमुच गंभीरता से गहन अध्ययन होना चाहिए। शहर-कस्बों-देहात की जमीनी हकीकत है कि प्राइवेट अस्पताल हो या प्राइवेट कॉलेज-विश्वविद्यालय, खासकर तकनीकी शिक्षा संस्थान सभी की रणनीति के किस्से-कहानियों की बेसिक बात है कि संस्थाओं ने एजेंट छोड़े हुए हैं। मतदाताओं के बीच भाजपा के पन्ना प्रमुखों की तरह लोगों के बीच छात्रों-मरीजों के दाखिले करवाने के एजेंट चर्चाएं बनवाते हैं। अपनी संस्था की ऐसी झांकियां बनाते हैं कि अच्छे-अच्छे झांसे में आ जाएं। दस दिन पहले मेरे पंडितजी का देहांत हुआ। वे अपने गांव में बीमार हुए। वे दिल्ली में स्थापित थे तो मेरे हिसाब से उन्हें दिल्ली में ही इलाज करवाना चाहिए था। लेकिन गांव में थे, जिले में एजेंटों, मार्केटिंग के जादू से एक अस्पताल का नाम था तो परिवार वालों ने लोकल, कथित तौर पर नंबर एक अस्पताल में भर्ती कराया।

डॉक्टरों ने बीमारी हार्ट की मानी और इलाज शुरू। जबकि उन्हें निमोनिया था। लेकिन उस पर ध्यान कम और हार्ट की महंगी बीमारी में अस्पताल का बनता बिल। स्थिति विकट हुई तो उन्हें दिल्ली लाया गया। दिल्ली के हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने देखा तो सिर पीटते हुए कहा निमोनिया का इलाज क्यों नहीं हुआ। कुल मिलाकर बारह-पंद्रह दिन में अस्पताल-डॉक्टरों के सानिध्य में बुजुर्ग शरीर के अंग एक के बाद एक गड़बड़ाते गए। बुजुर्ग पंडितजी को दिल्ली के अस्पताल में जब सुध आई तो उन्होंने हाथ से लिख परिजनों से कहा मुझे ले चलोÓ लेकिन मार्केटिंग की ऊंची दुकान में जब फंसना होता है तो फिर बच कर निकलना भला कैसे संभव! फिर भले कोई भी क्षेत्र क्यों न हो। मेरे पंडितजी बुखार के लक्षण से पहले जिंदगी स्वस्थता से जीते हुए थे। दूध-फलाहार और आस्था-विश्वास की ठोस स्वस्थता में! और बुखार, हार्ट समस्या, निमोनिया, मल्टी ऑरगन फेल के क्रम में उनके शरीर ने कैसे प्राण छोड़े, इस पर जब सोचता हूं तो ध्यान आता है कि दिमाग ही जब जड़ हो रहा है तो समाज-देश के सभी अंग भविष्य में किस अवस्था में होंगे।

सुनील शेट्टी-स्टारर इनविजिबल वुमन की शूटिंग पूरी

सुनील शेट्टी अभिनीत आगामी वेब सीरीज इनविजिबल वुमने में अहम किरदार निभा रहे अ थर्सडे के अभिनेता करणवीर शर्मा ने इस अनुभव को सुररेअल बताया है क्योंकि यूनिट ने शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग के आखिरी दिन के बारे में बात करते हुए करणवीर ने कहा, यह एक रैप है। लेकिन यह रैप मेरे लिए काफी मुश्किल था।

मैंने शूटिंग के हर एक मिनट का लुत्फ उठाया है। सुनील सर, ईशा देओल और राहुल देव जैसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ खुद को देखने का अनुभव असली था। मैं खुद को देखने और अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों के सामने इसे दिखाने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, जिन्होंने मेरा बहुत समर्थन किया है।सीरीज इनविजिबल वुमन राजेश एम. सेल्वा द्वारा निर्देशित है और जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

रोज करना चाहिए हलासन, होते हैं चौंकाने वाले फायदे

आप सभी जानते ही होंगे योग हमारे जीवन को खूबसूरत बनाने के लिए बेहद जरूरी होता है। जी हाँ और हर दिन योग करने से शारीरिक और मानसिक सेहत में फायदा पहुंचता है। जी दरअसल योगा के कई पोज होते हैं, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों को स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए किया जाता है। जी हाँ और इसमें एक पोज होता है हलासन (श्चद्यश्2 श्चश्जद्ग) होता है जिसको करने से एक दो नहीं बल्कि कई सारे फायदे होते हैं। जी दरअसल चेहरे पर ग्लो लाने के साथ-साथ यह पेट को फ्लैट करने में भी मदद करता है। अब हम आपको बताते हैं हलासन करने से क्या-क्या फायदे होते हैं और इसे कितनी देर करना चाहिए.

जी दरअसल आने वाले 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। जी हाँ और इसका मकसद होता है हर इंसान की जिंदगी में इसे शामिल करना। आपको बता दें कि योग के कई पोज में एक पोज हलासन का भी होता है और इसके कई फायदे होते हैं।

चेहरे पर चमक बढ़ाता, बाल गिरने से रोकता है

हलासन को हर रोज 1० मिनट करने से चेहरे में ग्लो आती है। जी हाँ और इसके पीछे वजह है ब्लड सर्कुलेशन का अच्छी तरह होना। आपको बता दें कि हलासन करने से ब्लड फॉलो बेहतर होता है। इससे स्किन टाइट होती है और इसी के साथ पिंपल और झुर्रियों से राहत मिलती है। केवल यही नहीं बल्कि यह बाल झड़ने की समस्या से भी निजात दिलाता है।

पीठ का दर्द होता है दूर

हलासन करने से पीठ और रीढ़ की मांसपेशियां मजबूत होती है। जी हाँ और यह कमर दर्द में राहत देता है। अगर आप पीठ दर्द की समस्या से ग्रसित हैं तो हलासन के लिए अपने डेली रुटीन से बस कुछ मिनट का वक्त निकालें।

पेट कम करने में करता है मदद

हलासन करने से बढ़ते हुए वजन से निजात मिलता है। जी हाँ और इसको करने के साथ पेट की चर्बी भी धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं।

पेट के विकार को करता है दूर

हलासन पेट संबंधित विकार को दूर करता है। जी हाँ और इस योगा पोज को करने से पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। इसको करने से पेट, आंत समेत कई अंग उत्तेजित हो जाते हैं। जी हाँ और ऐसा करने से पाचन क्रिया सही हो जाती है। गैस , एसिडिटी और कब्ज की समस्या से मुक्ति मिलती है।(आरएनएस)

थिरुचित्रम्बलम 18 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

निर्देशक मिथुन आर. जवाहर की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी-ड्रामा थिरुचित्रम्बलम, जिसमें अभिनेता धनुष मुख्य भूमिका में हैं, 18 अगस्त को स्क्रीन पर आएगी। निर्माताओं ने इस फिल्म के रिलीज की घोषणा कर दी है।

फिल्म को प्रोड्यूस करने वाले प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने ट्विटर पर ट्वीट किया, थिरुचित्रांभलम 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है!

धनुष ने भी इस खबर की पुष्टि करते हुए ट्वीट किया, ठीक है, कुछ समय हो गया है, है ना? 18 अगस्त से थिरुचित्रम्बलम। आप सभी को सिनेमाघरों में देखें।

फिल्म की टीम पहले ही फिल्म के सभी किरदारों के नाम की घोषणा कर चुकी है।

फिल्म में जहां धनुष थिरुचित्रम्बलम की मुख्य भूमिका निभाते हैं, वहीं निर्देशक भारतीराजा वरिष्ठ थिरुचित्रम्बलम की भूमिका निभाते हैं। नित्या मेनन ने शोभना नाम का एक किरदार निभाया है, जो फिल्म में थिरुचित्राम्बलम की सबसे अच्छी दोस्त है।

प्रकाश राज ने फिल्म में नीलकंदन नामक एक सख्त इंस्पेक्टर की भूमिका निभाई है, जबकि अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर ने एक गांव की लड़की रंजनी की भूमिका निभाई है।

अभिनेत्री राशी खन्ना, जो महिला प्रधान भूमिका निभाती हैं, फिल्म में धनुष की हाई स्कूल की दोस्त अनुषा की भूमिका निभाती हैं।

फिल्म, जिसमें अनिरुद्ध का संगीत है, में ओम प्रकाश द्वारा छायांकन और प्रसन्ना जी के द्वारा संपादन है। इसे सन पिक्चर्स कलानिधि मारन द्वारा निर्मित किया गया है।

शब्द सामर्थ्य -71

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

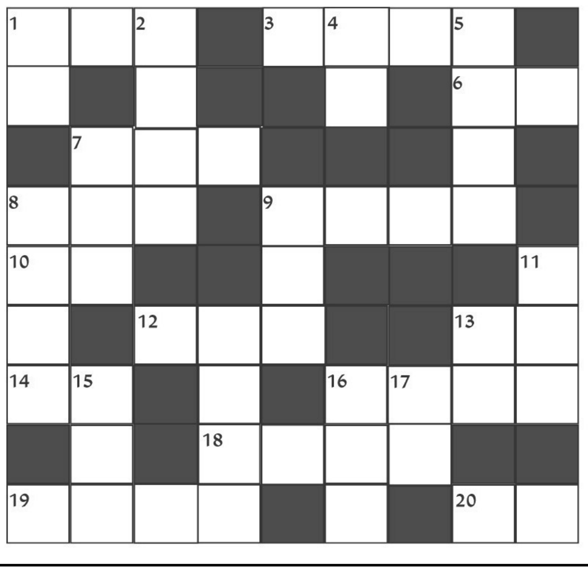

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण ने फाइटर के लिए कसी कमर

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने बीते हफ्ते ही अपकमिंग फिल्म विक्रम वेधा की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में अभिनेता के साथ लीड रोल में सैफ अली खान नजर आएंगे। विक्रम वेधा की शूटिंग खत्म करने के बाद ऋतिक रोशन ने दीपिका पादुकोण के साथ आने वाली फिल्म फाइटर की तैयारियां शुरू कर दी हैं। फिल्म में दोनों की जोड़ी पहली बार ऑनस्क्रीन पर धमाल मचाती दिखाई देगी।

सिद्धार्थ आनंद की फाइटर का प्री-प्रोडक्शन जोरों पर है। बताया जा रहा है कि ऋतिक रोशन इस समय आराम करने के मूड में नहीं और उन्होंने फाइटर पर काम शुरू कर दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार ऋतिक रोशन एक्शन मोड में नजर आएंगे। इसके लिए अभिनेता ने मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। कैरेक्टर में खुद को फिट साबित करने के लिए ऋतिक ने अपनी बॉडी पर वर्क करना शुरू कर दिया है। जुलाई आते ही अभिनेता आधिकारिक तौर पर अपनी तैयारी शुरू कर देंगे जबकि राइटिंग टीम फिल्म के फिनिशिंग टच पर काम कर रही है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मसल्स को कम करने के अलावा ऋतिक को मार्शल आर्ट के कई फॉर्म्स की ट्रेनिंग भी लेनी है। फिल्म की लीड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण करंट प्रोजेक्ट्स पर काम खत्म करने के बाद अगले महीने ऋतिक रोशन को ज्वाइन करेंगी। फाइटर को भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। बैंग बैंग और वॉर के साथ ऋतिक रोशन और सिद्धार्थ आनंद की ये तीसरी फिल्म है। फिल्म अगले साल अक्टूबर में रिलीज होगी।

टीवी अभिनेत्री गौरी टोंक शो कामना में एंट्री करती आएंगी नजर

टीवी अभिनेत्री गौरी टोंक शो कामना में एंट्री करती नजर आएंगी। इस शो उन्हें मानव गोहिल के किरदार की पूर्व पत्नी निहारिका कपूर के रूप में कास्ट किया जाएगा। उन्होंने अपनी भूमिका को हॉट एंड फैब बताया और कहा कि उनके चरित्र का ग्राफ अच्छा है और शो में उनका लुक भी अच्छा है। अभिनेत्री गौरी टोंक कहती हैं, मैंने इस शो के बारे में और इस तथ्य के बारे में सुना था कि अवधारणा और कहानी रन-ऑफ-द-मिल शो से अलग हैं। यह जानकर अच्छा लगा कि किसी ने कुछ नया करने की कोशिश की। इसलिए, मैं काफी उत्साहित थी जब मुझे कामना की पेशकश की गई थी, क्योंकि मुझे हमेशा से यह कॉन्सेप्ट पसंद आया था। दर्शक देखेंगे कि कैसे निहारिका वैभव के जीवन में कहर बरपाती है और उसका बदला लेती है। अब, यह जानने के लिए शो देखना चाहिए कि वह इसके बारे में कैसे जाती है। मेरे चरित्र और ट्रैक का ग्राफ अच्छा है और ऐसा ही मेरा नजरिया है दिखाओ। यह गर्म और शानदार होगा। गौरी ने कहा, मेरा किरदार बहुस्तरीय होगा। एक दृश्य जैसा दूसरा दृश्य नहीं होगा। इसलिए अगर मुझे भूमिका निभाने में मजा आने वाला है, तो मुझे यकीन है कि दर्शक भी इसका आनंद लेंगे। कामना सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

जयम रवि की 'अगिलन' के टीजर को एक दिन में मिले 50 लाख व्यूज

निर्देशक एन. कल्याण कृष्णन की 'अगिलन' के टीजर को यूट्यूब पर रिलीज होने के एक दिन के भीतर ही 5० लाख व्यूज मिल चुके हैं, जिसमें अभिनेता जयम रवि, प्रिया भवानी शंकर और तान्या रविचंद्रन मुख्य भूमिका में हैं। घोषणा करने के लिए ट्विटर पर, फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस, स्क्रीन सीन ने कहा, अभिनेता जयम रवि की 'अगिलन' का टीजर थंडरस मोड में, एक दिन में 5 मिलियन से अधिक बार देखा गया। फिलहाल, टीजर को 6०.4 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है और 88,००० से अधिक लोगों ने इसे यूट्यूब पर थम्स अप साइन दिया है। टीजर इस भ्रम को दूर करता है कि प्रिय भवानी शंकर फिल्म में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते हैं, जबकि जयम रवि एक्शन एंटरटेनर में एगिलन की शीर्षक भूमिका निभाते हैं, जिसकी पृष्ठभूमि में बंदरगाह है। दिलचस्प बात यह है कि 15 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म के टीजर में जयम रवि खुद को हिंद महासागर का राजा बताते हैं।

कियारा आडवाणी के बॉलीवुड में आठ साल पूरे

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। बीते दिनों उनकी फिल्म भूल भुलैया 2 भी बड़ी हिट साबित हुई। साफ है कियारा फिल्म इंडस्ट्री में अपनी धाक जमा चुकी हैं। 13 जून को इंडस्ट्री में आठ साल पूरे होने पर कियारा ने ऑनलाइन अपने प्रशंसकों से मुलाकात की। कियारा की पहली फिल्म फगली 13 जून, 2०14 को रिलीज हुई थी। आपको बताते हैं कियारा की आने वाली फिल्मों के बारे में।

जुग जुग जियो इन दिनों चर्चा में है। यह फिल्म 24 जून को रिलीज हो रही है और फिल्म के सितारे इसके प्रमोशन में लगे हुए हैं। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है जिसमें कियारा, वरुण धवन के ऑपोजिट नजर आएंगी। वहीं, फिल्म में अनिल कपूर और नीतू कपूर भी कपल के रूप में नजर आएंगे। दोनों कपल तलाक के कगार पर हैं। शादी बचाने और परिवार के दोबारा से एक होने की कहानी है यह फिल्म।

कियारा और कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की। अब यह जोड़ी एक और फिल्म में साथ नजर आएगी। फिल्म सत्यनारायण की कथा में दर्शकों को फिर से कार्तिक और कियारा की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। फिल्म में कियारा के किरदार का नाम कथा है। यह फिल्म नवंबर, 2०22 में रिलीज होनी है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस करेंगे।

निर्देशक-लेखक शशांक खैतान की फिल्म गोविंदा नाम मेरा एक कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म में कियारा के साथ विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आधिकारिक घोषणा में फिल्म की रिलीज डेट 1० जून, 2०22 बताई गई थी, लेकिन अब तक फिल्म को लेकर कोई अपडेट नहीं है। यह फिल्म करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन और मोशन पिक्चर्स वायाकॉम 18 के प्रोडक्शन में बन रही है। पहले यह फिल्म वरुण धवन के साथ मिस्टर लेले नाम से बन रही थी। रामचरण 15, आरसी 15 के नाम से मशहूर है। कियारा इस तेलुगु ऐक्शन फिल्म में अभिनेता रामचरण के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म श्री वेंकेटेश्वर क्रिएशन (स्क्रिष्ट) प्रोडक्शन तले बन रही है। फिल्म की रिलीज की तारीख फिलहाल घोषित नहीं की गई है। इस बैनर की यह 5०वीं फिल्म है। रामचरण और कियारा के अलावा फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने चेहरे, अंजली, जयराम और नवीन चंद्र जैसे सितारे नजर आएंगे।

साउथ अभिनेत्री लावण्या त्रिपाठी की फिल्म हैप्पी बर्थडे का टीजर आउट

लावण्या त्रिपाठी अभिनीत हैप्पी बर्थडे के निर्माताओं ने टीजर जारी किया। टीजर जारी होने के बाद कहा जा रहा है, कि जहां हैप्पी बर्थडे शीर्षक हल्का लग रहा है पोस्टर की थीम काफी विपरीत थी। टीजर की शुरूआत वेनेला किशोर से होती है, जो एक केंद्रीय मंत्री की भूमिका निभाती हैं। जो गन बिल का प्रस्ताव करती है, एक ऐसा कानून है जो आग्नेयास्त्रों की खरीद, बिक्री, निर्माण और उपयोग को नियंत्रित करता है।

और इस विधेयक को संसद ने पारित कर दिया है, जिससे देश की बंदूक संस्कृति को फलने-फूलने का मौका मिला है। इस बीच, गन थीम के साथ बर्थडे पार्टी रखी जाती है बिना बंदूक के पार्टी में आने का कोई रस्ता नहीं है। जब पार्टी के लिए एक विशेष टीम आती है, तो दोनों पक्ष बड़े पैमाने पर गोलाबारी करते हैं। निर्देशक रितेश राणा की काल्पनिक दुनिया एक पागल भीड़ है, जिसमें हर फ्रेम में कुछ पागल घटनाएं होती हैं।

पात्रों को भी असामान्य तरीके से पेश किया जाता है। क्लैप एंटरटेनमेंट के चिरंजीवी और हेमलता पेडामल्लू द्वारा निर्मित, मैथरी मूवी मेकर्स के नवीन यरनेनी और रविशंकर यालमंचिली ने हैप्पी बर्थडे प्रस्तुत किया है। ये फिल्म हैप्पी बर्थडे 15 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

राधिका आप्टे की अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर फ़िल्म का ट्रेलर आउट

एक के बाद एक साऊथ फिल्में हमारे उत्साह को बढ़ा रही है हाल ही में साउथ का रीमेक हमारी स्क्रीन पर दस्तक दे रहा है। हम बात कर रहे हैं विक्रांत मैसी और राधिका आप्टे की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फ़िल्म फोरेंसिक की। जिसका ट्रेलर आज रिलीज़ हो चूका गया है। फैंस की बात करे तो मेकर्स ट्रेलर रिलीज़ कर के प्रशंसा बटोर रहा है।

हम ट्रेलर कि कहानी की बात करें तो, राधिका आप्टे और विक्रांत मैसी को एक पुलिस अधिकारी (मेघा शर्मा) और सर्वश्रेष्ठ फोरेंसिक अधिकारी (जॉनी खन्ना) के रूप में, कई युवा लड़कियों के लापता होने और बाद में हत्या की जांच करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाते हैं।

फॉरेंसिक का ट्रेलर एक सस्पेंस थ्रिलर है जिसमें एक लड़की को उसके जन्मदिन पर बेरहमी से मार दिया जाता है जिसका पता लगाने के फोरेंसिक टीम मसूरी जाते हैं। विक्रांत ने इस ट्रेलर को सोशल मीडिया पर साँझा करते हुए ननीचे एक कैप्शन लिखा, क्या हर पार्टी में होगा ! बर्थडेकीलर बिन बुलाए मेहमान? ! फोरेंसिक विशेषज्ञ जॉनी और इंस्पेक्टर मेघा आ रहे हैं ये रहस्य का पता लगाने!

फिल्म के बारे में बोलते हुए, विक्रांत ने कहा, फोरेंसिक विशेषज्ञों को इतना कम आंका गया है, और मुझे खुशी है कि बॉलीवुड में पहली बार, हमारे पास एक फोरेंसिक विशेषज्ञ के साथ एक फिल्म आ रही है। उन्होंने कहा कि एक आपराधिक मामला जाँच किए बिना पूरा नहीं होता है। एक अच्छा फोरेंसिक विशेषज्ञ चाहता है कि वे फिल्म के माध्यम से इस मामले में पूरा न्याय दिलाए।

वहीं लीड फीमेल स्टार राधिका ने कहा कि वह एक साल से भी ज्यादा समय के बाद पर्दे पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, भले ही फोरेंसिक एक दक्षिण फिल्म का रूपांतरण है। मैं गारंटी दे सकती हूं कि यह एक खरनाक फ़िल्म हैं क्योंकि यह सिर्फ एक और मर्डर मिस्ट्री नहीं है।

आठ साल बाद, क्या अच्छे दिन आ रहे ?

श्रुति व्यास

इन आठ वर्षों में भले ही कई लोगों ने 'अच्छे दिन' की उम्मीद छोड़ दी हो लेकिन कहानी, कथानक और नायक अभी भी प्रशंसा और श्रद्धेय के स्थान पर हैं।जहां तक कहानी का सवाल है, अब कथाकार मोदी के साथ-साथ सवा सौ करोड़ लोग कहानी बताते हुए हैं। मगर नरेंद्र मोदी अब कथाकार नहीं हैं। वे अपनी कहानी कह चुके। मोदी की कहानी की विरासत अब सवा सौ करोड़ लोगों के हाथों में है। कहानी उनकी भी है, जो अच्छे दिनों के लिए तरस रहे हैं। क्या आपको लगता है अच्छे दिन आ रहे हैं?

हम विश्वासी लोग हैं। और विश्वास के सही होने की आस पाले रहते हैं। सन् 2014 में नरेंद्र मोदी के नाम से एक नया विश्वास उभरा था। उस विश्वास में देश ने उनकी कहानी को अपना बनाया था। उन्होंने नए परिप्रेक्ष्य में उम्मीद की एक कहानी गढ़ी। वह ऐसा समय था जब माहौल निराशा, नाकाबलियत, आतंकवाद और शत्रुता से भरा था। नरेंद्र मोदी ने तब खुद को एक सुधारक के रूप में, आधुनिक, नए भारत में परंपरागत मूल्यों को बहाल करने के दृढ़ निश्चयी के रूप में प्रचारित किया था। परिणामत: पूजा करने वालों के देश में नरेंद्र मोदी की अंधभक्ति ने उन्हें जल्दी ही सवा सौ करोड़ भारतीयों का वह अवतार बना दिया जो 'अच्छे दिन' लाने वाला था।

बाकी सब की तरह मुझे भी मोदी की कहानी की खूबियां और ताजगी अच्छी लगी। ऐसे में 2014 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी का साक्षात्कार करने के लिए जब मैं अपने पिता श्री हरि शंकर व्यास के साथ गांधीनगर गई और मुख्यमंत्री निवास में मोदी से इंटरव्यू होते देखा, सवाल-जवाब सुने तो मैं गदगद, उत्साहित और मंत्रमुग्ध थी। इंटरव्यू के समय तक वे देश के पसंदीदा विकल्प बनते लग रहे थे। वे इस बात को समझने लगे थे कि लोग उन्हें अपनी आशा, अपने मसीहा के रूप में देख रहे हैं। उन पर दबाव जबरदस्त था, लेकिन पीएम पद के बतौर उम्मीदवार वे बेफिक्र से लग रहे थे। वे अपनी क्षमता, आकर्षण और बन रही जनभावनाओं से वाकिफ थे।

उनसे जब भारत के मौजूदा संकटों में उनकी सोच के सवाल हुए तो नरेंद्र मोदी ने इस तरह जवाब दिया मानों उनके लिए यह सब चुटकियों का काम है। उनके आत्मविश्वास, आधुनिक भारत के साथ पुराने रीति-रिवाजों को बुनने के इरादे जान कर मुझे बहुत अच्छा लगा। प्रधानमंत्री बनते ही सब बेहद आसान और मजेदार हो जाएगा। वाकई, नरेंद्र मोदी देश की एक कहानी और उसके ऐसे प्रतीक बने, जिसकी आवश्यकता भारत को नई सदी में प्रवेश करने के लिए थी। उस समय उनमें एक मजबूत कथा और ईमानदार इच्छाशक्ति का मेल था। 'अच्छे दिन' निश्चित ही आते लग रहे थे।

16 मई 2014 को, बहुत उत्साह और धूमधाम के बीच, देश के 15वें प्रधानमंत्री के साथ, भारत को एक नई कहानी मिली। दिल्ली की राजनीति में बाहरी होने और अपनी विनम्र शुरुआत का फायदा उठाते हुए, नरेंद्र मोदी ने पूरा माहौल बदल दिया। उस समय वे जोश से भरे हुए थे। उन्होंने पुरानी राजनीति तथा राजनेताओं के तौर-तरीकों के प्रति मोहभंग के बीच अपना जलवा बनाया। वोट बैंक की राजनीति के लिए अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले, भारतीयों के वृहत्तर समूह जिसमें युवा, पिछड़े, ग्रामीण और मध्यम वर्ग के लोग शामिल हैं, की भावनाओं को उन्होंने झिंझोड़ा। वे उनके प्रतिनिधि बन गए, कहानी में उनके 'गोलिएथ'। भारत की नई कहानी और उसके महानायक नरेंद्र मोदी!

एक ऐसी दुनिया में जहां अब्राहम लिंकन, रिचर्ड निक्सन, विंस्टन चर्चिल, मारग्रेट थैचर, एंजेला मर्केल, बराक ओबामा से जैसी कई कहानियों को सुनने-सुनाने का अनुभव है उसमें भारत ने भी वह एक नया नेता पाया, जिसके भाषण न केवल मनमोहक, सम्मोहक, और भावनाओं के उद्दीपक थे, बल्कि उनके विदेशी श्रोता भी थे। भारत देश की नई कहानी का देश और विदेश दोनों जगह प्रसारण होने लगा। मानों वे भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, पंडित जवाहरलाल नेहरू (जो आज बहुत तिरस्कृत हैं) नहीं, जिनकी कहानी से ही भारत है। कभी नेहरू से भारत की कहानी थी। उनके बाद भारत में कहानीकारों और कहानियों को लेकर खालीपन सा रहा है। भारत बढ़ा लेकिन उसकी कहानी नहीं। मोदी के पूर्ववर्ती को 'मौन', 'एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' के रूप में जाना जाता था। उनके काम, उनके समय की आर्थिक प्रगति को अस्वीकार कर दिया गया था, क्योंकि मनमोहन सिंह न तो कहानी थे और न ही एक कुशल कहानी सुनाने वाले। और एक पूरी पीढ़ी के लिए, खासकर पिछली सदी के अंतिम वर्षों में पैदा हुए हम जैसों के लिए जिनका राजनीति में कोई रोल मॉडल नहीं था, कोई कहानी, कोई कथा नहीं थी, सिवाय सत्ता और भ्रष्टाचार की गंदी राजनीति के।

उस सब में आठ साल पहले बदलाव आया। सब कुछ अचानक बदल गया। भारत नेहरू के जमाने की छुक-छुक करती आई रेल से सीधे मोदी के 'न्यू इंडिया' की 'बुलेट ट्रेन' की छलांग लिए हुए था। आज मोदी नेहरू को याद करते हैं जबकि जनता उनकी नेहरू से तुलना करती है।

आठ साल बीत चुके हैं। नरेंद्र मोदी ने पूरी पकड़, धमक के साथ प्रधानमंत्री का पद संभाला हुआ है। और यह सवाल बिना शोर के सबके दिल-दिमाग में है, अनुमान, अंदाज और जवाब तलाशता हुआ है कि क्या हमारे अच्छे बीते आठ साल? तालियों की और आलोचनाओं से लबालब संपादकीय की बाढ़ आई हुई है। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास, अच्छे निर्णय, बुरे निर्णय, विकास, अधोगति के साथ अंधेरे में तीर चलते हुए कि क्या पाया और क्या गंवाया? लेकिन मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के समय को न केवल भारत को आकार देने और बदलने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नीतियों पर चिन्हित और वर्गीकृत किया जाना चाहिए, बल्कि उनकी कहानी आम जनता के दिमाग और विवेक में कब तक, कितनी धकेले जा सकती है, इसे समझने की जरूरत है। क्योंकि नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें लोगों से सीधे जुड़े रहने का हुनर मालूम है। उनके लिए अखबारों के ऑप-एड और स्तुति गान या आलोचना कोई मायने नहीं रखती है।

आज भाजपा-प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से 17 राज्यों में शासन कर रही है। यह देश का 44 फीसदी हिस्सा है। कोविड महामारी के दौरान कुप्रबंधों, मौतों की क्रूर संख्या के बावजूद, नरेंद्र मोदी के अनुमोदन की रेटिंग विश्व स्तर पर 70 प्रतिशत के उच्च स्तर पर है, जो इतिहास के सबसे अधिक मनहूस समय के दौरान किसी भी नेता को मिली उच्चतम रेटिंग है। आर्थिक बदहाली, समुदायों के बीच सुलगती दूरियों, चीन के भारतीय इलाके में घुसने के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इरादों, प्रचारों में ढील नहीं आने दी है। उनकी सराहना, समर्थन और उनके पक्ष व बचाव में सब कुछ पहले की तरह सुना जाता हुआ है। वे भारतीयों की एक पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा हैं जो 'न्यू इंडिया' बनते समझ रहा है।

निर्विवाद रूप से प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गहरी छाप छोड़ी है, वे एक ऐसे राजनेता बन गए हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी की पहुंच का विस्तार किया है, वहीं दर्शकों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों और उनके राजनीतिक गाइड की भूमिका को भी पूरा करते हुए है। उन्हें एक अधिकतम नेता के रूप में, काम को नशे के रूप में देखने वाला माइक्रो-मैनेजर समझा जाता है, जो देश को आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रयोगशाला में बदलने के लिए काम कर रहा है, जो लोगों, दुनिया और तमाम टिप्पणीकारों के लिए दिलचस्प और डर दोनों पैदा करने वाला है।

इन आठ वर्षों में भले ही कई लोगों ने 'अच्छे दिन' की उम्मीद छोड़ दी हो लेकिन कहानी, कथानक और नायक अभी भी प्रशंसा और श्रद्धेय के स्थान पर हैं। एक जयकार है, एक गर्जना है और लोग खुशी व जश्न मनाते रहते हैं। दीवारों पर जो लिखा है वह यही है कि लोग अभी भी आशा और विश्वास से भरे हुए हैं। उनके लिए वे ईमानदार नेता हैं, जो उनकी परवाह करते हैं और जो उन्हें खतरों से बचाएंगे और जो भारत को मजबूत बनाएंगे।

जहां तक कहानी का सवाल है, उनकी कहानी अभी भी भारत की कहानी, 'न्यू इंडिया' की कहानी है। आइडिया ऑफ इंडिया में प्रधानमंत्री द्वारा हर दिन नए प्लॉट जोड़े जा रहे हैं। उसके साथ, आठ साल बाद, अनुकूल मुरीद लोग भी अपने-अपने हिस्से जोड़ रहे हैं। मगर नरेंद्र मोदी अब कथाकार नहीं हैं। अब मोदी की कहानी की विरासत सवा सौ करोड़ लोगों के हाथों में है। कहानी उनकी भी है जो अच्छे दिनों के लिए तरस रहे हैं। क्या आपको लगता है अच्छे दिन आ रहे हैं?

सू- दोकू क्र.71

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 70 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

क्या है नई 'भारत दृष्टि' ?

वर्तमान सरकार की विदेश नीति संबंधी स्वायत्त दृष्टि क्या है? यह अपेक्षा जयशंकर से है कि ऐसे प्रश्नों पर वे पूरी व्याख्या के साथ उपस्थित हों। वरना, जहां-तहां की गई छिटपुट टिप्पणियां भारत के बारे में भ्रम को ही गहरा करेंगी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते एक संवाद में भाग लेते हुए कहा कि यूरोप की समस्याएं पूरी दुनिया की समस्या नहीं है। इसलिए यूरोप को अपनी समस्या को दुनिया की समस्या समझने की मानसिकता से ऊपर उठना चाहिए। बाद में सोशल मीडिया पर जवाहर लाल नेहरू का 1948 में संयुक्त राष्ट्र में दिया एक भाषण प्रचारित हुआ, जिसमें पंडित नेहरू ने ठीक यही वाक्य कहे थे।

उसके बाद से इस संयोग पर चर्चा चल रही है कि क्या घूम-फिर कर नरेंद्र मोदी सरकार बिना साफ शब्दों में स्वीकार किए नेहरू दौर की विदेश नीति को अपना रही है। गौरतलब है कि जयशंकर के इस बयान की प्रशंसा में चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने एक पूरा लेख प्रकाशित किया। इसमें भी यही कहा गया कि भारत शुरू से ही कूटनीतिक स्वायत्तता की नीति पर चलता रहा है। चीन का अभी पश्चिमी देशों से टकराव है। इसलिए पश्चिम के खिलाफ कही गई कोई भी बात उसे रास आती है। लेकिन असल मुद्दा यह है कि क्या भारत आज सचमुच गुटनिरपेक्षता की किसी दृष्टि के साथ विश्व मंच पर उपस्थित है?

मोदी सरकार के संदर्भ में यह सवाल अधिक ध्यान खींचता है, क्योंकि अभी हाल तक माना जाता था कि ये सरकार भारत को अमेरिका और पश्चिम के खेमे में ले गई है। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से खास कर विदेश मंत्री जयशंकर की कई टिप्पणियां इस धारणा के विपरीत जाती दिखी हैं। तो सवाल यह उठेगा कि अगर भारत अपनी स्वायत्त दृष्टि के साथ विश्व मंच पर खड़ा है, तो वो दृष्टि क्या है? नेहरू की गुटनिरपेक्षता में स्वाभाविक रूप से उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ नव-स्वतंत्र देशों की एकता का नजरिया था। उसमें खुद की भारत खामियों और कमियों को खुल कर स्वीकार करने की दृष्टि थी। इस नजरिए से मोदी सरकार सहमत है, इसे मानने के लिए फिलहाल कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। तो वर्तमान सरकार की स्वायत्त दृष्टि क्या है? क्या यह विशुद्ध स्वार्थ से संचालित है? यह अपेक्षा जयशंकर से है कि इन प्रश्नों पर वे पूरी व्याख्या के साथ उपस्थित हों। वरना, जहां-तहां की गई छिटपुट टिप्पणियां भारत के बारे में भ्रम को ही गहरा करेंगी।(आरएनएस)

11 अगस्त को रिलीज होगी विक्रम-स्टारर कोबरा

निर्देशक अजय ज्ञानमुथु की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर फिल्म कोबरा, जिसमें चियां विकम मुख्य भूमिका में हैं, 11 अगस्त को रिलीज होगी, इसके निमार्ताओं ने घोषणा की।

फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस सेवन स्क्रीन स्टूडियो ने ट्वीट किया, 11 अगस्त से कोबरा, अहिंसा फिल्म्स द्वारा कोबरा यूके और यूरोप में रिलीज।

निर्देशक अजय ज्ञानमुथु ने करीब तीन साल तक फिल्माने के बाद इस साल फरवरी में फिल्म की शूटिंग पूरी की थी।

दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता विक्रम ने इस साल जनवरी के पहले सप्ताह में अपने हिस्से पूरे किए। माना जा रहा था कि अभिनेता ने पिछले साल दिसंबर में अपने हिस्से पूरे कर लिए थे। हालांकि, उन्होंने कोविड के लिए सकारात्मक परीक्षण किया और इसलिए फिल्म पर काम पर लौटने से पहले उन्हें खुद को अलग करना पड़ा और इलाज कराना पड़ा।

इस फिल्म में मुख्य भूमिका में श्रीनिधि शेट्टी हैं, इसने बहुत रुचि पैदा की है क्योंकि यह पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान के अभिनय की शुरूआत को भी चिह्नित करेगा, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

चोरी करने घुसे युवक ने सुरक्षाकर्मी पर हमला कर घायल किया

संवाददाता

देहरादून। अस्पताल में चोरी करने की नियत से घुम रहे युवक ने सुरक्षा कर्मी पर हमला कर उसको घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने युवक को पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जौलीग्रान्ट निवासी देवेन्द्र प्रसाद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजकीय दून मेडिकल कॉंलेज (महिला चिकित्सालय) में सुरक्षा कर्मी के रुप में नियुक्त है। उसकी डूयटी रात्रि में शाम 8.00 बजे से प्रातः 8.00 बजे तक रहती है। गत रात्रि को लगभग 12.00 बजे की बात है, अस्पताल मे एक व्यक्ति घूम रहा था। उसको वह संदिग्ध लगा तो उसने उसे अपने पास बुलाया और उस से घूमने का कारण पुछा तो उसने कहा की अस्पताल मे उसका मरीज है तो उसने उसे कहा कि मरीज किस वार्ड मे है तो उसने नही बताया तो वह उसको वार्ड मे लेकर गया परन्तू उसका कोई मरीज अस्पताल में नही था। फिर उसने इसकी तलाशी ली तो यह मना करने लगा और भागने की कोशिश करने लगा इसकी जेब में एक मोबाइल था जिसे उसने निकाला तो वह एक-दम गेट की तरफ भाग गया तो वह भी उसके पीछे भागा और गेट पर उसे पकड लिया उसने कहा कि उसको छोड दे नही तो जान से मार दूंगा और उसके ना छोडने पर ब्लैड से उसके गले की तरफ हमला किया तो उसने बचाव के लिये अपना हाथ आगे किया तो उसने 6-7 बार उसके ऊपर वार किया जिससे उसके बाए हाथ पर 5 जगह गहरी चोट लगी है। जिसमे एक जगह 5-6 टाँके और पूरे हाथ में 20 टाँके आये है तभी वहां पर कुछ लोग आ गये और उस व्यक्ति को पकड लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम शहजाद पुत्र नसीम निवासी भगत सिह कालोनी बताया। पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिल्डर्स सहित आठ पर लाखों की धोखाधड़ी करने का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। फ्लैट बनाने के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी करने के मामले में एसए बिलटेक के निदेशक सहित आठ लोगों पर पुलिस ने दो मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीरामपुरम निवासी अतुल शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विजय पार्क निवासी गौरव आहूजा ने उससे सम्पर्क किया और बताया कि एसए बिलटैक द्वारा मालसी मे अर्टिगो रेजीडेन्सी के नाम पर फ्लैट बनाये जा रहे है। उसने उसको एसए बिलटैक के निदेशको प्रेमदत्त शर्मा, श्रीमती सुनीता शर्मा व श्रीमती आराधना शर्मा तथा अरूण सैगन को से मिलवाया तथा बताया कि उनकी कम्पनी उच्च स्तरीय आवासीय सुविधा प्रदान करने वाली कम्पनी है और वे लोग भी अर्टिगो रेजीडेन्सी नाम से एक प्रोजेक्ट बना रहे है जो मालसी मसूरी रोड, देहरादून में है। उसने उनकी बातों पर विश्वास कर फ्लैट खरीदने को तैयार हो गया। फ्लैट का सौदा 59 लाख 97 हजार रूपये में तय हुआ तथा उसने उनको नौ लाख रूपये दे दिये। सभी ने उसको आश्वासन दिया था कि वह फ्लैट का कब्जा जल्द ही सौंप देंगे तथा विक्रय पत्र भी उसके तथा उसकी पत्नी के हक में निष्पादित कर देंगे।

उन्होंने उसका 48 लाख 50 हजार रूपये का लोन आईसीआईसीआई बैक से स्वीकृत कराकर अपने खाते में पैसे ट्रासफर करा लिये। लेकिन बाद मे पता चला कि उक्त भूमि के मालिक से एसके बिलटैक वालों का विवाद हो गया और अब वह वहां पर फ्लेट नहीं बना सकते। जिसके बाद उसने उनसे रूपया वापस मांगा तो उन्होने देने से इंकार कर दिया तथा वह अभी तक बैंक को 25 लाख रूपये किश्त के भर चुका है। इसी तरह विजय पार्क निवासी आशा रावत ने भी एसए बिलटैक के निदेशक सहित सभी के खिलाफ फ्लैट के नाम पर 48 लाख रूपये की धोखाधडी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनो मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य में अभी और भी कई रामविलास..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री धामी कार्रवाई करें। कांग्रेसी नेता गरिमा दसोनी का कहना है कि जीरो टॉलरेंस वाली भाजपा ने रामविलास पर कार्रवाई में इतनी देरी क्यों की? उन्होंने कहा कि जो भ्रष्ट अधिकारी हैं व जिन मंत्रियों के विभागों से जुड़े हैं उन मंत्रियों पर भी कार्रवाई की जाए। जीरो टॉलरेंस वाली भाजपा 6 साल में भी लोकायुक्त क्यों नहीं ला पाई है?

ईएनटी चिकित्सक की मनमानी की शिकायत सीएमओ से की

संवाददाता

पिथौरागढ़। ईनटी चिकित्सक द्वारा मरीजों को ना देखने व अपने कक्ष से चले जाने की शिकायत जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने सीएमओ से शिकायत की।

आज यहां जिला अस्पताल में ईनटी सर्जन डॉ विभोर मरीजों के लाइन से नहीं आने पर मरीजों से नाराज होकर अपने कक्ष को छोड़कर चले गए। सुबह से डाक्टर के आने का इंतजार कर रहे मरीजों की फजीहत देखकर जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ केसी भट्ट को फोन पर घटनाक्रम बताते हुए शिकायत की। तब जाकर एक घंटे के बाद डाक्टर आएं। जिला अस्पताल में ईनटी सर्जन के कक्ष के सम्मुख मरीजो की भारी भीड़ जमा थी। ईएनटी सर्जन डां कविता लोहनी अवकाश पर है। इस कारण डां विभोर को मरीजों को देखना था। डां विभोर ने दो चार मरीज देखें, कि लाइन से मरीजों के नहीं आने का बहाना बनाकर मरीजों के ऊपर गुस्सा दिखाते कक्ष छोड़कर चले गए। अस्पताल प्रशासन की अवस्था का ठीकरा भी जिले के दुरस्थ क्षेत्रो के मरीजों के सिर फोड़ने वाले थे। करीब 75 से अधिक मरीज बैठ कर तथा खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। ईएनटी स्पेशलिस्ट के कक्ष छोड़कर चले जाने से सबसे अधिक निराश दुरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीज होने लगे। मुनस्यारी के सांई पोलू से पहुंचे माली देवी ने अपने क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया को ईएनटी सर्जन की दादागिरी के बारे में बताया। जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ केसी भट्ट तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एचएस ह्यांकी को फोन से इसकी जानकारी दी। दोनों अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मर्तोलिया ने कहा कि एक घंटे के बाद सर्जन ने आकर रुके हुए मरीजों को देखा। तब तक अधिकांश मरीज दुरदराज के होने के कारण चले गए थे। उन्होंने कहा कि वेतनभोगी डाक्टर की यह गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल इस तरह की अव्यवस्थाओं से घिरता जा रहा है। उन्होंने कहा कि डाक्टरों को मानव समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराने के लिए समाज विज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

मर्तोलिया ने कहा कि इस गंभीर लापरवाही के मामले में उच्चस्तरीय जांच करके दोषी डाक्टर का एक दिन का वेतन काटा जाय तथा भविष्य में इस तरह की हरकत नहीं करने का लिखित स्पष्टीकरण मांगा जाय। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करने पर चार जुलाई को होने वाली जिला पंचायत की बैठक में वे स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सदन के भीतर धरना प्रदर्शन करेंगे।

युवती लापता, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवती के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पित्थुवाला निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 15 साल की पुत्री जो गत दिवस को सुबह 9 बजे घर से बीना बताये कही चली गयी है। जिसको उन्होंने बहुत तलाशा लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून । चोरों ने खुले स्थान से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलचंद एनक्लेव निवासी सुनील शर्मा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से चौधरी कालोनी गया था उसने अपनी एक्टिवा बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब थोडी देर बाद वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंडी बोर्ड के आदेश निरस्त होने पर चोपडा का किया स्वागत

संवाददाता

हरिद्वार। कृषि उत्पादन मंडी परिषद विपणन बोर्ड द्वारा अपने पूर्व में दिये आदेशों को निरस्त करने पर मंडी व्यापारियों ने संजय चोपडा का स्वागत किया।

आज यहां कृषि उत्पादन मंडी परिषद विपणन बोर्ड रुद्रपुर द्वारा उत्तराखंड राज्य की सभी कृषि उत्पादन मंडी समितियों को 20 मई को दिए गए आदेशों को निरस्त कराने की मांग पर आंदोलित रहे पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा पूर्व में मंडी बोर्ड द्वारा दिए गए आदेशों को पूर्ण रूप से निरस्त होने से उत्साहित मंडी आढ़तियों द्वारा संजय चोपड़ा का ज्वालापुर हरिद्वार मंडी समिति प्रांगण में जोरदार स्वागत कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कृषि मंत्री गणेश जोशी का संयुक्त रुप से आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार ज्वालापुर मंडी समिति के सभी व्यापारी मेरे परिवार के समान हैं यदि मंडी समिति के व्यापारियों का किसी प्रकार का भी मंडी प्रशासन व मंडी बोर्ड द्वारा शोषण व उत्पीड़न किया जाएगा उसके खिलाफ लामबंद होकर संघर्ष करते रहेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मंडी समिति के सभी व्यापारियों की न्याय संगत मांग को ध्यान में रखते हुए पूर्व में मंडी बोर्ड द्वारा दिए गए आदेशों को मंडी समितियों के हितों में निरस्त कर मंडी समिति के सभी व्यापारियों को राज्य सरकार का संरक्षण दिए जाने का कार्य किया है।

मंडी समिति प्रांगण में पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा का स्वागत करने वालो में अशोक चौहान, अमित मेहता, संतोष भारद्वाज, निशांत राय, दीपक अरोड़ा, नीतू चौहान, तस्लीम अहमद, हसन अंसारी, शाहनवाज अंसारी, हाजी शेरू अंसारी, शाहरुख अंसारी, इसरार अहमद, जय भगवान, शौकीन, शाहरुख खान, नितिन चौहान, संतोष कुमार, विजय अरोड़ा, विजेंदर चौधरी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

हरिद्वार घूमने आ रहे छात्रों की कार में लगी आग, 3 की मौत 3 गंभीर

सोनीपत (हसं)। सड़क हादसे में देर रात एक तेज रफ्तार कार के बैरिकेड्स में टकरा जाने से लगी आग के चलते जहां उसमें सवार तीन छात्रों की मौके पर ही जलने से मौत हो गयी वहीं तीन अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गये है। हादसा सोनीपत में मेरठ-झज्जर नेशनल हाइवे पर हुआ है। कार सवार सभी लोग हरिद्वार घूमने आ रहे थे। जानकारी के अनुसार कार में 6 लोग सवार थे। तेज रफ्तार कार मेरठ-झज्जर हाइवे पर लगी बैरिकेडिंग से टकरा गई। जिसके बाद कार में आग लग गई। इस हादसे में कार सवार 3 युवको की जिंदा जलने से मौत हो गयी वहीं 3 युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि नेशनल हाइवे-44 के जिस फ्लाइओवर पर ये हादसा हुआ, वहां काम चलने के कारण पत्थरों के बने बैरिकेड्स लगाए गए थे। रात के अंधेरे में तेज रफ्तार कार इन बैरिकेड्स से टकरा गई। कार सवार सभी युवक एमबीबीएस के छात्र हैं। हादसे में मरने वाले तीनों छात्र रोहतक पीजीआई से एमबीबीएस कर रहे हैं। मृतकों की पहचान हरियाणा के नारनौल निवासी पुलकित, रेवाड़ी के संदेश और गुरुग्राम के रोहित के रूप में हुई है। वहीं घायल छात्रों के नाम अंकित, नरवीर और सोमबीर बताये जा रहे है।

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से पीएम ने की मुलाकात

नई दिल्ली। राष्ट्रपति पद की एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को दिल्ली पहुंच गई हैं। वह २४ जून को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। वहीं एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के दिल्ली पहुंचते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे मुलाकात की। उनसे मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा राष्ट्रपति पद के नामांकन को समाज के सभी वर्गों द्वारा पूरे भारत में सराहा गया है। जमीनी समस्याओं और भारत के विकास के लिए उनकी समझ उत्कृष्ट है। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और शॉल पहनाकर उनका स्वागत किया। शाह के अलावा केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और डॉ. अर्जुन राम मेघवाल वीरेंद्र कुमार और बीजेपी नेता मनोज तिवारी ने दिल्ली एयरपोर्ट पर एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

कांग्रेस ने कुमारी सैलजा व अभिषेक मनु सिंघवी को बनाया सीडब्ल्यूसी का सदस्य

नई दिल्ली । कांग्रेस ने कार्य समिति की बैठक में नयी सदस्यों को शामिल किया है। पार्टी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य बनाया है। इसके साथ ही कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को कार्य समिति का विशेष आमंत्रित सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री टी सुब्बारामी रेड्डी को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया है। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में इन नियुक्तियों की जानकारी दी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ये नियुक्तियां की हैं। सोनिया गांधी की करीबी माने जाने वाली सैलजा कुछ सप्ताह पहले तक हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष थीं। सिंघवी विख्यात अधिवक्ता होने के साथ ही पिछले कई वर्षों से कांग्रेस के प्रवक्ता की भूमिका निभा रहे हैं। वह राज्यसभा सदस्य भी हैं। हरियाणा से कुलदीप बिश्नोई सीडब्ल्यूसी के विशेष आमंत्रित सदस्य थे, लेकिन बगावत के कारण उन्हें बीते दिनों सभी पदों से हटा दिया गया था।

धामी ने पीएम मोदी से किया जीएसटी प्रतिपूर्ति जारी रखने का अनुरोध

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज अपने दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर राज्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए जीएसटी प्रतिपूर्ति के रूप में मिलने वाली आर्थिक मदद को जारी रखने का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य को 5 हजार करोड़ रुपए की सहायता जीएसटी प्रतिपूर्ति के रूप में मिलती है। जिसकी समय अवधि जून माह में समाप्त हो रही है सचिव वित्त सौजन्या का कहना है कि राज्य को 14 फीसदी राशि जीएसटी कंपनसेशन के रूप में मिलती है जिसकी अवधि जून में समाप्त हो रही है। सरकार का प्रयास है कि यह प्रतिपूर्ति आगे भी राज्य को मिलती रहे इसके लिए प्रयास जारी हैं।

❑जेपी नड्डा व राजनाथ सिंह से भी करेंगे मुलाकात
❑राष्ट्रपति उम्मीदवार मुर्मू के नामांकन में रहेंगे मौजूद

बीती रात दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो चंपावत जीत के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पहुंचे, द्वारा इस जीएसटी प्रतिपूर्ति को आगे भी जारी रखने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ने शानदार जीत के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि केंद्र से उत्तराखंड को हर संभव सहायता मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को केंद्र सरकार की योजना की प्रगति रिपोर्ट से भी अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने इस दो दिवसीय दौरे के दौरान आज पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात करेंगे। आज वह राजग की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मुर्मू के प्रस्तावक पत्र पर भी हस्ताक्षर करेंगे। यही नहीं कल उनके नामांकन पत्र भरने के समय में उपस्थित रहेंगे क्योंकि वह मुर्मू के प्रस्तावक भी हैं।

उधर काबीना मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल का कहना है कि हमारी कोशिश है की राज्य सरकार को जीएसटी प्रतिपूर्ति के रूप में मिलने वाली सहायता जारी रहे इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। चंडीगढ़ में 28-29 जून को होने वाली जीएसटी बोर्ड की बैठक में भी वह जाएंगे और जीएसटी प्रतिपूर्ति जारी रखने की मांग करेंगे।

गंगा स्नान से लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन पेड़ से टकराया, 10 की मौत, 7 घायल

हमारे संवाददाता

पीलीभीत। यूपी के पीलीभीत जिले में हुए सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई वहीं 7 लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार पीलीभीत के गजरौला थाना इलाके में एक तेज रफ्तार पिकअप पेड़ से टकराने के बाद हाईवे पर पलट गई। हादसे में 10 लोगों की मौत की हो गई वहीं 7 लोगों के घायल हुए है।

बताया जा रहा है कि घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे बरेली रेफर किया गया है। हादसा सुबह करीब चार बजे होना बताया जा रहा है। पता चला है कि हरिद्वार से गंगा स्नान करने के बाद बुधवार को शाम पांच बजे गोला के लिए वापस लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी टाटा एस गाड़ी पेड़ से टकरा गई। घायलों ने बताया कि ड्राइवर को झपकी आने से यह हादसा हुआ है। मौके पर 8 लोगों की मौत हो गई वहीं दो लोगों की उपचार के दौरान मौत हुई है। हादसे में 7 लोग घायल हैं, जिनमे से एक व्यक्ति को बरेली के लिए रेफर किया गया है। छह लोगों का इलाज पीलीभीत के जिला अस्पताल में चल रहा है। इतने बड़े हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस व प्रशासन के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने बताया कि हरिद्वार से गोला वापस आते समय गजरौला के पास यह दर्दनाक हादसा हुआ है जिसमें 10 लोगों की मौत हुई है जबकि 7 लोग घायल हुए हैं।

होटल बुकिंग के नाम पर ठगे 55 हजार रुपये

देहरादून (संवाददाता)। होटल में कमरा बुकिंग के नाम पर 55 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी अजय पंवार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक टूर एण्ड ट्रेवल्स ऑपरेटर है। उसका एक 20 लोगो का ग्रुप केदारनाथ यात्रा पर जाना था। जिनके लिए उसको होटल बुक करवाना था। उसने अपने दोस्त से सम्पर्क किया और उसने एक अभिषेक नाम के व्यक्ति का नम्बर दिया। उसने अभिषेक से होटल बुकिंग के लिए बात की और उसने बोला की होटल मिल जायेगा, और अभिषेक ने बोला उसके लिए आपको कुछ एमाउंट एडवांस करनी होगी और उसने उसके क्यू आर कोड पर एडवांस पेमिंट कर दिया। परन्तु जब उसका ग्रुप सोनप्रयाग में पहुँचा तो अभिषेक ने होटल देने से मना कर दिया, और वह उसको गाली गलोच करने लगा और अपना फोन बंद कर दिया, उसने फिर अपने ग्रुप के लिए दूसरा होटल बुक किया, जिसका उसको फिर से भुगतान किया, जिससे उसको पता चला की उसके साथ 55 हजार रूपये की धोखाधडी की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तीन तलाक बोलने पर पति सहित पांच के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। तीन तलाक बोलकर विवाहिता को घर से निकालने के मामले में पुलिस ने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुशहाल पुर निवासी रिहाना ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह 2012 को नौशाद पुत्र इन्तजार निवासी जिला यमुनानगर के साथ हुआ था। उसके पास एक लड़की व एक लड़का है। शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले उसके साथ मारपीट करते है तथा दहेज कम लाने के लिए प्रताड़ित करते रहते है। उसका पति नौशाद शराब पीने का आदि है और शराब पीकर उसको रोजाना मारता पीटता और कोई खर्च नहीं देता। 30 मई 2022 को उसके भाई व पिता ने उसके पति व ससुराल वालो से बात की तो उसके पति ने कहा कि उसने उसे तीन तलाक दे रखा है इसको यहां से ले जाओ अगर तुम इसको यहां से लेकर नहीं जाओगे तो हम इसे जिन्दा जला देगे। पुलिस ने पति सहित पांच लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।